

प्रेषक,

एन०एस० नपलच्याल,  
मुख्य सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।
2. समस्त विभागाध्यक्ष,  
उत्तराखण्ड।

नियोजन अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक: 11 फरवरी, 2010

विषय:— शासकीय विभागों के विविध निर्माण कार्यों के सम्पादन हेतु कार्यदायी संस्था का निर्धारण।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक लोक निर्माण विभाग के शासनादेश सं०-452/XXVII(I)/2005, दिनांक 05 अप्रैल, 2005, शासनादेश सं०-39/XXVII/2007, दिनांक 14 अगस्त, 2007, शासनादेश सं०-65/XXVII/2007, दिनांक 27 सितम्बर, 2007, शासनादेश सं०-407/94-अधिष्ठान/2006, दिनांक 01 फरवरी, 2008, शासनादेश सं०-1738/III(I)/08-04(सामान्य)/08, दिनांक 17 जुलाई, 2008, शासनादेश सं०-2050/III(I)/08-04(सामान्य)/08, दिनांक 21 अगस्त, 2008, शासनादेश सं०-504/III(I)/09-04(सामान्य)/08, दिनांक 13 मार्च, 2009 तथा नियोजन विभाग के शासनादेश सं०-185/XXVI/04(सा०)/08, दिनांक 15 अक्टूबर, 2009 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिनके द्वारा शासकीय विभागों के विविध निर्माण कार्यों हेतु कार्यदायी संस्थाओं के निर्धारण के सम्बन्ध में दिशा-निर्देश निर्गत किये गये थे।

उक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासन द्वारा उक्त संदर्भित शासनादेश सं०-504/III(I)/09-04 (सामान्य)/08, दिनांक 13 मार्च, 2009 के बिन्दु सं०-2 तथा 3 में संशोधन करते हुए कार्यदायी संस्थाओं के निर्धारण के सम्बन्ध में सम्यक् विचारोपरान्त निम्नवत् कार्यवाही किए जाने का निर्णय लिया गया है:-

- (1) रु 1 करोड़ से अधिक लागत की परियोजनाओं के लिए लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन निर्माण निगम तथा उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम को कार्यदायी संस्था बनाया जा सकता है।

उक्त विषयक पूर्व में निर्गत समस्त शासनादेश इस सीमा तक संशोधित समझे जाएंगे।

भवदीय,

(एन०एस० नपलच्याल)  
मुख्य सचिव।

संख्या : (1)/XXVI/उ(2)/2009, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- प्रमुख सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी को मा० मुख्यमंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 2- अध्यक्ष, उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम।
- 3- निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ।
- 4- निदेशक, एन०आई०सी, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 5- प्रभारी मिडिया सेन्टर, सचिवालय, देहरादून।
- 6- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(राधा रतूड़ी)  
सचिव।